बी०ए० षष्ठ सत्र | प्रश्नपत्र नाम- **संस्कृतसाहित्य** | परीक्षा वर्ष 2022

(पद्यकाव्य

पेपर कोड- **BSA-C111**

समयः 03 घण्टा | पूर्णाङ्कः 70

नोटः प्रश्नपत्र ए एवं बी दो खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड निर्देशानुसार हल करना अनिवार्य है।

खण्ड - ए

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोटः किन्हीं 05 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न छः अंक का है। 05x06=30

1. ससन्दर्भ श्लोक की व्याख्या कीजिए-

अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यः विशेषज्ञः।
ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि तं नरं न रञ्जयति॥

2. ससन्दर्भ श्लोक की व्याख्या कीजिए-

स्वायत्तमेकान्तगुणं विधात्रा विनिर्मितं छादनमज्ञतायाः।
विशेषतः सर्वविदां समाजे विभूषणं मौनमपण्डितानाम्॥

3. ससन्दर्भ श्लोक की व्याख्या कीजिए-

साहित्यसङ्गीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः।
तृणं न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम्॥

4. ससन्दर्भ श्लोक की व्याख्या कीजिए-

येषां न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मृत्युलोके भुवि भारभूता मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति॥

5. ससन्दर्भ श्लोक की व्याख्या कीजिए-

मन्दः कवियशःप्रार्थी गमिष्याम्युपहास्यताम्।
प्रांशुलभ्ये फले मोहादुद्बाहुरिव वामनः॥

6. ससन्दर्भ श्लोक की व्याख्या कीजिए-

अथवा कृतवाग्द्वारे वंशेऽस्मिन् पूर्वसूरिभिः।
मणौ वज्रसमुत्कीर्णे सूत्रस्येवास्ति मे गतिः॥

7. ससन्दर्भ श्लोक की व्याख्या कीजिए-

तं सन्तः श्रोतुमर्हन्ति सदसद्व्यक्तिहेतवः।
हेम्नः संलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकापि वा॥

8. आकारसदृशप्रज्ञा प्रज्ञया सदृशागमः।
आगमैः सदृशारम्भ आरम्भसदृशोदयः॥

9. मूर्खस्य नास्त्यौषधम् को स्पष्ट कीजिए।

10. रघुकुल के राजाओं की विशेषताएँ लिखिए।

खण्ड - बी

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोटः किन्हीं 04 प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न दस अंक का है। 04x10=40

1. रघुवंश के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।
2. शिशुपालवध की द्वितीयसर्ग की विषयवस्तु लिखिए।
3. गीतिकाव्य का विकासक्रम लिखिए।
4. महाकवि माघ का काव्यवैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए।
5. उपमा कालिदासस्य की समीक्षा कीजिए।
6. नीतिशतक के उपदेशों की वर्तमान में उपादेयता स्पष्ट कीजिए।
7. नीतिशतकम् के अनुसार सत्संगति का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।
8. आचार्य भर्तृहरि के कृतित्व पर प्रकाश डालिए।